Roll No. .....

B.A.-10 (Bachelor of Art) Hindi

Second Year, Examination-2014

HD-03

नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 60

नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खंडों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खंड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $2 \times 7.5 = 15$

(अ) जिस व्यक्ति या वस्तु पर प्रभाव डालने के लिए वीरता दिखाई जाती है, उसकी ओर उन्मुख कर्म होता है और कर्म की ओर उन्मुख उत्साह नामक भाव होता है । सारांश यह है कि किसी

वस्तु के साथ उत्साह का सीधा लगाव नहीं होता । समुद्र लाँघने के लिए जिस उत्साह के साथ हनुमान उठे हैं, उसका कारण समुद्र नहीं, समुद्र लांघने का विकट कर्म है कर्म भावना ही उत्साह उत्पन्न करती है। वस्तु या व्यक्ति की भावना नहीं।

(ब) मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है । नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है, जो उसके जीवन में सफलता ले आना चाहती है। उसको काट देना उसके 'स्व' निर्धारित आत्म-बंधन का फल है जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाता है । कमबख्त नाखून बढ़ते हैं तो बढ़ें । मनुष्य उन्हें बढ़ने नहीं देगा ।

(स) साहब ने कुटिल मुस्कान के साथ कहा, मगर वजन चाहिए । आप समझे नहीं । जैसे आपकी यह सुन्दर वीणा है, इसका भी वजन भोलाराम की दरखास्त पर रखा जा सकता है। मेरी लड़की गाना-बजाना सीखती है । यह मैं उसे दे दूँगा । साधु-सन्तों की वीणा से तो अच्छे स्वर निकलते हैं ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$2 \times 7.5 = 15$

1. नाटक के स्वरूप एवं तत्वों की विवेचना कीजिए ।

2. अन्य गद्य विधाओं का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उनका परिचय प्रस्तुत कीजिए ।

3. जयशंकर प्रसाद के नाट्य साहित्य की विशेषताएँ वर्णित कीजिए।

4. 'तुलसी-साहित्य के सामंत-विरोधी मूल्य' निबंध की समीक्षा कीजिए ।

खंड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खंड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

$(4 \times 5 = 20)$

1. 'नाखून क्या बढ़ते हैं ?' निबन्ध की समीक्षा कीजिए ।

2. 'मेरा बचपन' आत्मकथा की समीक्षा कीजिए ।

3. 'लमही में जन्म और मृत्यु' जीवनी का मूल्यांकन कीजिए ।

4. निबन्ध के तत्वों पर प्रकाश डालिए ।

5. आलोचना की प्रमुख विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए ।

6. 'महाभारत की एक सांझ' एकांकी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

7. 'ध्रुवस्वामिनी' के चरित्र चित्रण की समीक्षा कीजिए ।

8. 'उत्साह' निबंध का मूल्यांकन कीजिए ।

खंड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खंड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है । इस खंड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । (10×1 = 10)

(क) सत्य/असत्य बताइए :

1. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं ।
2. 'मेरा बचपन' हरिवंशराय बच्चन द्वारा लिखित है ।
3. 'कंकाल' के लेखक रामचन्द्र शुक्ल हैं ।
4. 'भोलाराम का जीव' व्यंग्य विधा की रचना है।
5. 'चन्द्रगुप्त' नाट्य विधा की रचना है ।

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

6. रामगुप्त ..... नाटक का पात्र है ।

   (चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, स्कन्दगुप्त)

7. 'महाभारत की एक सांझ' ..... की रचना है ।

   (भारतभूषण अग्रवाल, विष्णु प्रभाकर, जयशंकर प्रसाद)

8. उत्साह के लेखक ..... हैं ।

   (रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र)

9. 'भोलाराम का जीव' ..... की रचना है ।

   (हरिशंकर परसाई, रामचन्द्र शुक्ल, विष्णु प्रभाकर)

10. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' ..... की रचना है ।

    (हरिवंशराय बच्चन, रामचन्द्र शुक्ल, कुबेरनाथ राय)